# गृह विज्ञान में आजीविका

डॉ. अर्पिता शर्मा

गृह विज्ञान घर का विज्ञान है और इसमें वह सब कुछ शामिल है जो व्यक्ति, घर, परिवार के सदस्यों और संसाधनों से संबंधित हैं. यह ''बेहतर जीवन'' के लिए शिक्षा है और इस शिक्षा का मूल परिवार पारिस्थितिकी है. यह परिवार और इसके प्राकृतिक और मानव निर्मित पर्यावरण के पारस्परिक संबंध को भी डील करता है. इसका लक्ष्य संसाधनों के दक्ष और वैज्ञानिक उपयोग द्वारा व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करना है. यह व्यक्ति को घर को सुंदर बनाने में शामिल सभी वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का ज्ञान देता है. गृह विज्ञान मानव पर्यावरण, परिवार पोषण, संसाधनों के प्रबंधन और बाल विकास की उन्नति हेतु विभिन्न विज्ञानों और मानविकी के अनुप्रयोग को समेकित करता है. गृह विज्ञान वैज्ञानिक पाठ्यक्रम है, जो छात्र को अनेक किस्म के कौशलों से सज्जित करता है. यह विज्ञान एवं कला के सम्मिश्रण के साथ एक अद्वितीय विधा है. यह स्वयं को खाना बनाने, धुलाई, अलंकरण और सिलाई से संबंधित गृह से संबंधित कौशलों तक सीमित नहीं करता है. गृह विज्ञान अब मिथ्या अवधारणाओं के आवरण से बाहर आ गया है और जीवन के सभी संभव क्षेत्रों में नए आयामों के लिए अपना द्वार खोल दिया है.

**स्कूल में:** गृह विज्ञान की पेशकश सी बी एस ई और अन्य बोर्डों में 11वीं और 12वीं कक्षा में एक विषय के रूप में की जाती है. यह मुख्यतः तीन क्षेत्रों नामतः खाद्य एवं पोषण, मानव विकास और परिवार संसाधन प्रबंधन को कवर करता है.

**कॉलेज में:** इसकी पेशकश तीन या चार वर्षों की स्नातक डिग्री के रूप में की जाती है. गृह विज्ञान में बीए और बी.एससी. दोनों उपलब्ध है. मूल विषयों संचार एवं विस्तार विकास, रेशा और परिधान विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, मानव विकास एवं संसाधन प्रबंधन के अलावा व्यक्ति उद्यमिता, पारिवारिक जीवन शिक्षा, सूक्ष्म जीवविज्ञान, व्यक्तित्व विकास, खाद्य परिरक्षण, फैशन डिजाइनिंग आदि का अध्ययन कर सकता है. यूजी पाठ्यक्रम के बाद व्यक्ति गृह विज्ञान में पीजी कर सकता है और विशेषज्ञता का चुनाव कर सकता है या अन्य पीजी पाठ्यक्रमों को चुन सकता है.

**गृह विज्ञान में धाराएं:** यह चार मुख्य धाराओं: (1) खाद्य एवं पोषण (2) संसाधन प्रबंधन एवं मानव विकास (3) रेशा और परिधान विज्ञान (4) संचार एवं विस्तार के अंतर्गत आने वाले विषयों के विस्तृत क्षेत्र को शामिल करते हुए एक अंतर-विधायी पाठ्यक्रम है. गृह विज्ञान तीन या चार वर्ष की अवधि की स्नातक डिग्री है. मुख्य विषयों के अलावा इसमें सहायक विषयों जैसे कि शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायनविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, आधारभूत अनुसंधान रीतिविधान, उद्यमिता विकास, पारिवारिक जीवन शिक्षा, परिवार गतिकी, व्यक्तित्व विकास, फैशन डिजाइनिंग, खाद्य परिरक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण आदि भी शामिल हैं. गृह विज्ञान स्नातक गृह विज्ञान, पोषण एवं आहारविज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जैव रसायनविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, फैशन प्रौद्योगिकी, परामर्शन में मास्टर डिग्री, बी.एड., सामाजिक कार्य, विकास अध्ययन, उद्यमिता, जन संचार, खानपान प्रौद्योगिकी और कोई भी कला पाठ्यक्रम जैसे कि मनोविज्ञान, एमबीए और किसी भी सहायक विषय के लिए भी पात्र है. अध्ययन के क्षेत्र के रूप में गृह विज्ञान अनुप्रयोगोन्मुख है और व्यक्ति को अनेक व्यवसायों के लिए तैयार करता है.

**पात्रता:** गृह विज्ञान के लिए आवेदन करने वाला अभ्यर्थी जीवविज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायनविज्ञान के साथ 10+2 या इंटरमीडिएट अवश्य पास हो.

**आजीविका अवसर :** इस पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को अनेक रोज़गार अवसर प्रदान करता है जैसे कि: **1.** अस्पतालों या स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में आहारविद्, **2.** खाद्य क्षेत्रों में पोषण परामर्शदाता/पोषणविद्, **3.** खाद्य उद्योगों में खाद्य प्रौद्योगिकीविद् और वैज्ञानिक, **4.** चिकित्सा प्रयोगशालाओं एवं उद्योगों में जैव रसायनज्ञ एवं सूक्ष्म जीवविज्ञानविद्, **5.** स्वास्थ्य देखभाल संगठनों में मनोविज्ञानी या परामर्शदाता, **6.** कामगार परिवार परामर्शदाता, **7.** परिधान वणिक, फैशन डिजाइनर, **8.** आंतरिक सज्जाकार, **9.** वस्त्र, खाद्य क्षेत्र, बैंकिंग और मिष्ठान्न के क्षेत्र में उद्यमी, **10.** शिक्षण व्यवसाय - प्राथमिक स्कूल शिक्षक के लिए मान्यताप्राप्त योग्यता गृह विज्ञान में स्नातक डिग्री है और अनेक स्नातकोत्तरों को वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षकों और कॉलेज के प्रोफेसरों के रूप में नियुक्त किया जाता है, **11.** अनुसंधानकर्ता, **12.** बिक्री रोज़गार - खाद्य मदों (शिशु खाद्यों) का बिक्री प्रवर्धन, **13.** उत्पादन कार्य - इसमें खाद्य परिरक्षण, परिधान निर्माण, विशेषीकृत पाक शामिल है, **14.** सेवा रोज़गार - पर्यटक विश्राम स्थलों, होटलों, खानपान सुविधाओं, रेस्टोरेंट आदि के गृह व्यवस्था विभागों का अनुरक्षण और पर्यवेक्षण, **15.** तकनीकी रोज़गार - निर्माण उद्योगों को अनुसंधान सहायकों, खाद्य विश्लेषकों, खाद्य वैज्ञानिकों आदि के रूप में काम करने के लिए गृह विज्ञान स्नातकों की आवश्यकता होती है, **16.** श्रृंगारविद्, **17.** स्व-रोज़गार - (1) पोशाक निर्माण इकाई (2) खाद्य परिरक्षण इकाई (3) खाद्य उत्पाद एवं शिशु खाद्य उत्पादन इकाई (4) होटलों के गृह व्यवस्था विभागों के पर्यवेक्षण और अनुरक्षण के लिए फर्म (5) खानपान इकाईयां (6) स्वस्थता परामर्शदाता (7) खानपान सेवा प्रदाता, **18.** मीडिया एजेंसियां